भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

13.12.2023 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1710 का उत्तर

समर्पित मालवहन गलियारे

1710. श्री एस.सी. उदासी:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:
श्री बिद्यूत बरन महतो:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री एस. जगतरक्षकन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सभी समर्पित मालवहन गलियारों (डीएफसी) के विषय में काम की प्रगति और स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार इस बात से सहमत है कि डीएफसी के प्रभावी उपयोग से संभलाई लागत को कम करने और नए औद्योगिक केंद्रों के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी;

(ग) यदि हां, तो यह देखते हुए कि डीएफसी न केवल सड़क मार्ग और रेलमार्ग परिवहन का विकल्प है बल्कि माल-परिवहन की विद्यमान पद्धतिगत आवश्यकता को भी पूरा करता है, सरकार द्वारा डीएफसी का नेटवर्क स्थापित करने के लिए उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्तमान स्थिति क्या है और 2014 और 2023 के तुलनात्मक विवरण सहित 2014 से अब तक किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इसके कारण सम्पूर्ण लॉजिस्टिक्स क्षेत्र और रेलवे को क्या लाभ मिलने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल गलियारों अर्थात लुधियाना से सोननगर (1,337 किलोमीटर) तक पूर्वी समर्पित माल गलियारा और जवाहरलाल नेहरू पत्तन टर्मिनल से दादरी (1,506 किलोमीटर) तक पश्चिमी समर्पित माल गलियारा का निर्माण-कार्य शुरू किया है।

पूर्वी समर्पित माल गलियारे का निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के 1,506 किलोमीटर में से 1,176 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

समर्पित माल गलियारों के निर्माण से संभारतंत्र लागत में कमी आएगी, जो नए औद्योगिक हबों और गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के विकास में परिणत होगा।

2014 और 2023 में समर्पित माल गलियारों पर उपगत व्यय और इन्हें चालू करने को दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण इस प्रकार है-

वर्ष	संचयी व्यय (करोड़ रु. में)	चालू किए गए माल गलियारे
2014 (मार्च, 2014)	10,357	कुछ नहीं
2023 (अक्टूबर, 2023 तक)	1,08,558	2,513 किलोमीटर

****